

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की चुनौतियाँ

डॉ. नेतराम, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग, श्री गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक एवं संरचनात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण, लचीला, बहुविषयक तथा कौशल-आधारित बनाना है। नीति में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी एवं डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण तथा उच्च शिक्षा में बहुविषयक दृष्टिकोण पर विशेष बल दिया गया है। यद्यपि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में आधारभूत संरचना की असमान उपलब्धता, डिजिटल संसाधनों की कमी, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में इंटरनेट तथा तकनीकी सुविधाओं का अभाव, शिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता और पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्यों की सामाजिक, भाषायी, आर्थिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों में विविधता नीति के समान एवं प्रभावी क्रियान्वयन को जटिल बनाती है। पाठ्यक्रम में अपेक्षित परिवर्तन, मूल्यांकन प्रणाली में सुधार तथा प्रशासनिक समन्वय भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य भारतीय शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से संबंधित प्रमुख चुनौतियों का विश्लेषण करना तथा उनके संभावित समाधान की दिशा में सुझाव प्रस्तुत करना है। प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों, शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्य शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा सुधार, क्रियान्वयन की चुनौतियाँ, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, समावेशी शिक्षा, उच्च शिक्षा।

